DR. BASU EYE HOSPITAL
Centre To Cure Cataract And Retinal Diseases Without Operation

प्रेस नोट

करोना काल में आँखो की कम हुई नजर को डॉ0 बासु वापिस ला रहे है।

पिछले वर्षो में सारी दुनिया में करोना ने तहलका मचा रखा था लाखो लोगो की जाने गई जो बच गये उससे सारे शरीर पर प्रभाव पड़ा। आँखो पर भी करोना का बहुत दुष्ट प्रभाव पड़ा। अस्पतालो में लोगो को बचाने के लिए बहुत अधिक मात्रा मे एंटीबायोटिक एवं स्टेरायड़ दिये गये थे और लोगो के करोना काल में खाली होने के कारण मोबाइल, लैपटॉप, टी0वी. आदि का बहुत इस्तेमाल किया गया जिसके कारण आँखो पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कई लोगो का विजन काफी कम हो गया और चश्मा लगाने पर भी लाभ नही मिलता था। आँखो की नजर कम होने के दो विशेष कारण होते है एक मैकेनिकल कारण जो चश्मा लगाने पर नजर ठीक हो जाती है और दूसरा पैथोलोजिकल कारण होता है जिसमे रेटिना में बहुत सी बीमारियों के कारण नजर कम हो जाती है। जैसे डायबेटिक रेटिनोपैथी, मक्यूलर डिजैनरेशन, ग्लूकोमा, रेटिनाइटिस पिग्मेंटोसा आदि यह ऐसी रेटिना की बीमारियॉ है जिनका अभी तक विश्व में इलाज नही है। ड़ा0 बासु बड़ी सफलता के साथ ठीक कर रहे है। दिल्ली से 52 वर्ष की **रेनू भाटिया** दिनांक 18/12/21 को डा0 बासु अस्पताल में आई थी जिनको कोविड़ हो गया था। इनकी सीधी आँख में केवल 5% नजर थी और चश्मा लगाने पर भी केवल 20% नजर थी हमारे यहॉ इलाज करवाने पर 5–6 महीने में पूरी रोशनी आ गई। 18 वर्ष की बिहार से आई **प्रियंका कुमारी** लगभग ब्लाइंड़ थी जिसकी आँखो में दवाई डालने के मात्र 5–7 मिनट पश्चात 90% तक नजर वापिस आ गई। आगरा से आये 62 वर्ष के **हरपाल सिंह सेठी** जिनका दोनो आँखो का मोतियाबिंद का आपरेशन हो गया था परंतु नजर लगभग समाप्त हो चुकी थी लगभग 20 इंजेक्शन भी आँखो में लग चुके थे जिसके कारण नजर और खत्म हो गई थी डा0 बासु का इलाज करवाने पर 5–10 मिनट में ही नजर लगभग 90% तक वापिस आ गई। दिल्ली बेस्ड़ कोरावल नगर निवासी 16 वर्षीय **उदित पडचोरी** प्रिगच्योर ड़िलीवरी हुई थी जिनको नाइटब्लाइंड़नेस था और फिर डे ब्लाइंड़नेस, रेटिनाइटिस पिग्मेंटोसा था जिसको केवल टार्च की रोशनी दिखाई पड़ती थी कई डाक्टरो को दिखाने के बाद डा0 बासु आँख के अस्पताल में आई, जांच के बाद आँखो मे दवा ड़ालने के 5 मिनट पश्चात ही लगभग 50–60% बिना चश्में के नजर वापिस आ गई। इसी प्रकार से 17 वर्षीय लखनऊ निवासी अंकुर का विजन 3/60, 3/60 था दवा डालने के 5 मिनट पश्चात ही सारी नजर वापिस आ गयी देखे Q.R. कोड़ मे, यदि मरीज ने मोतियाबिंद आप्रेशन करवा लिया है और नजर थोड़ी-2 कम हो गई है तो इस स्थिति में भी नजर वापिस आ जाती है। ऐसे रोजाना ही डॉ0 बासु के पास मरीज आते है जिनको वह बिना किसी साइड़ इफेक्ट के बड़ी सफलता के साथ पिछले 42 वर्षो से ठीक कर रहे है। बी0एच0यू0 के एक्सपर्ट टीम साइंटिस्ट ने सांइटिफिक रिजल्ट दिये है। फिंगर प्रिंटिंग टेस्ट करवाई जा चुकी है। मोतियाबिंद पर इंटरनेशनल जनरल ऑफ फार्मास्यूटीकल साईंस एंड रिसर्च 18 जून 2022 को सांइटिफिक पेपर मे स्वीकृत हो चुका है और बताया कि 88% पार्शियल ब्लाइंड़ पेशेंट भी ठीक हो रहे है। इसलिए डा0 बासु का सपना है कि यदि भारत सरकार साथ दे तो दुनिया को अंधता से बचाया जा सकता है।

डा0 महेन्द्र सिंह बासु
(वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ)

UDIT | PRIYANKA | ANKUR | RENU | HARPAL | Colour Blindness Book

Address
23-B, Ekta Nagar, Stadium Road, Bareilly, U.P.-243122
Ph. No.: 7060235559, 7060245559
Toll Free No.: 1800 102 8191